तापमान
अधिकतम 37 .0 डिग्री
न्यूनतम 24 .0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 11 मई 2025

11 स्वास्थ्य विभाग की लाखनमाजरा में रेड ...

12 एमडीयू के खिलाड़ी, विश्वविद्यालय का गौरव ...

40 करोड़ से बनेगा महम गोहाना मार्ग : जांगड़ा

मिली मंजूरी, एक सप्ताह में होगा टेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा की विकास के मामले में महम क्षेत्र एक नया इतिहास लिखने जा रहा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी महम हलके के लोगों पर बहुत मेहरबान हैं । उन्होंने महम गोहाना मार्ग के लिए 40 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं । अब महम से गोहाना तक वाया लाखन माजरा रोड बिल्कुल नया बनेगा और लाखन माजरा में इसे सीसी का बनाया जाएगा, ताकि जलभराव संबन्धित कोई समस्या न आए। सांसद जांगडा ने कहा की चूंकि उन्होंने गोहाना क्षेत्र से विधानसभा का चुनाव लड़ा था तो वहां के लोग भी उनके पास महम आते हैं तो सभी की रोड बनवाने की मांग अवश्य होती है। इसके लिए वह मुख्यमंत्री नायब सैनी के बहुत आभारी हैं ।

मुख्यमंत्री का महम के लोगों से लगाव : सांसद

सांसद ने कहा की मुख्यमंत्री का महम हलके के लोगों से बहुत लगाव है। इसलिए वे महम के लिए जो भी मांग करते है वे तुरंत मंजूरी दे देते हैं। पिछले दिनों भी उन्होंने महम में सैमान , अजायब मोखरा, बहलबा आदि गांव में जलभराव से ग्रस्त क्षेत्र में पाईप लाईन के लिए करोड़ों रुपये एक ही दिन मे मंजूर कर दिए थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में ठीकरी पहरा लगाने के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डीसी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिला में जान माल की सुरक्षा के मद्देनजर ठीकरी पहरा लगाने के आदेश जारी किए हैं। इनमें कहा गया है कि जिला की सभी ग्राम पंचायत गांव के सभी सक्षम वयस्क पुरुषों को नहर के किनारों, नालियों, पुलों, रिंग बांधों, सुरक्षा बांधों, पुलियो, रेलवे पटरी, सडक़ों, बिजली लाइनों, टेलीफोन लाइनों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जलघर, सभी सरकारी भवनों की सुरक्षा के मद्देनजर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बचाव के लिए दिन-रात के समय गश्त लगाकर अपने कर्तव्य की पालना के लिए उत्तरदायी होंगे।

मदवि ने परीक्षाओं के परिणाम किए जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2024 में आयोजित एमकॉम डीडीई सेमेस्टर के दूसरे सेमेस्टर की री-अपीयर, तीसरे व चौथे सेमेस्टर की फ्रेश व री-अपीयर, एमकॉम डीडीई सेमेस्टर ऑनलाइन मोड के तीसरे सेमेस्टर की फ्रेश व री-अपीयर, बीएससी- बायोटेक, केमिस्ट्री, जेनेटिक्स चार वर्षीय के प्रथम सेमेस्टर रेगुलर, बीए पत्रकारिता एवं जनसंचार एनईपी 2020 के प्रथम सेमेस्टर रेगुलर, एमएससी गणित एनईपी प्रथम सेमेस्टर फ्रेश, एमएससी-जूलॉजी व केमिस्ट्री एनईपी प्रथम सेमेस्टर फ्रेश की परीक्षा का परिणाम जारी किया है। प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि परीक्षा विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

अधिसूचित तिथि के अनुसार परीक्षाएं होंगी आयोजित

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित की जा रही परीक्षाएं अधिसूचित परीक्षा तिथि के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने यह जानकारी दी।

हर कदम आसान.....
हरियाणा के पहले
+पोजीट्रोन
सुपर स्पेशलिटी एवं कैंसर अस्पताल
वर्ल्ड क्लास रोबोट
से घुटने बदलने की सर्जरी के साथ
जल्दी रजिस्टर करें!
विशेष लॉन्च डिस्काउंट का लाभ उठाएँ!
85710 81699, 01262-663000
Sector-35, Suncity, Rohtak

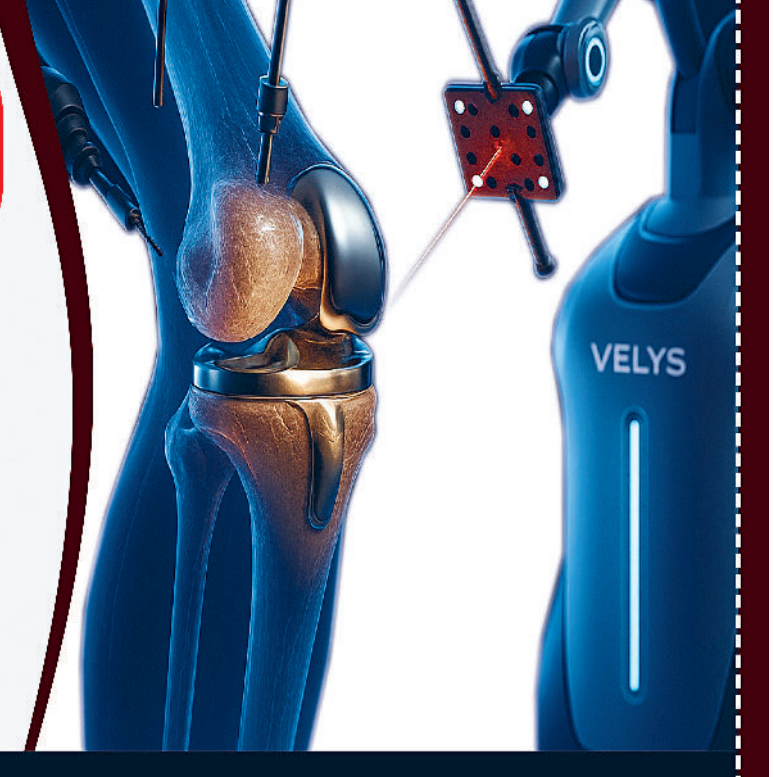

TATA की पेशकश
For marriages crafted by you
TANISHQ PRESENTS
RIVAAH
WEDDING JEWELLERY
20% गोल्ड ज्वेलरी के बनवाई शुल्क तक की छूट* और डायमंड ज्वेलरी के मूल्य पर
₹101 प्रति ग्राम छूट* गोल्ड ज्वेलरी की खरीद पर
फेस्टिवल ऑफ एक्सचेंज
स्मार्ट चुनाव कीजिए
To locate your nearest store and know more on +91 81473 49242. Buy online at tanishq.co.in or Download our App *Conditions apply, For T&C visit our website.
नया शोरूम :- मानसरोवर पार्क के पास, दिल्ली रोड, रोहतक टेली. : 1800 891 1250

AMS NDA ACADEMY
AMS ने फिर रचा इतिहास NDA-(1) 2025
परीक्षा में हरियाणा में सर्वाधिक छात्रों ने परीक्षा पास की
DEEPAK ROHTAK
NEERAJ CHARKHI DADRI
DEEPALI AJAIB (ROHTAK)
PREETI SISANA (SONIPAT)
ARYAN MALIK UP
HARDIK ROHTAK
HARSH ROHTAK
AIR 1st
ANURAG SANGWAN ALL INDIA NDA TOPPER
Lt. TUSHAR NDA
Lt. ANKIT NDA
AIR 5th
LOVE MALIK ALL INDIA ARMY TOPPER
11वीं व 12वीं के साथ करें NDA की तैयारी पाए सुनिश्चित सफलता
NEW BATCH START FROM MONDAY
HOSTEL & TRANSPORT FACILITY AVAILABLE
ADMISSIONS OPEN 2025-26
NEET | NDA | IIT-JEE
7th to 12th Class
NEET & IIT-JEE
के लिए रोहतक से बाहर जाने की कोई आवश्यकता नहीं, कोटा और सीकर की Faculty अब आपके शहर में
SEPCIAL BATCH FOR
11th & 12th CLASS
NEET/JEE/NDA 2025
SCHOOLING+COACHING+TUITION
AMS ACADEMY
CORPORATE OFFICE: D-5 Model Town, New Delhi
FOUNDATION WING: 29-R Model Town, Double Park, Rohtak
SSC & BANKING WING: Power House Chowk, Tikona Park, Rohtak
9729783900, 7496011020, 9671771100

खबर संक्षेप

छात्राओं ने मॉक ड्रिल का लिया प्रशिक्षण

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज में शनिवार को नर्सिंग सप्ताह के दौरान बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष के छात्राओं ने फर्स्ट एड व मॉक ड्रिल का प्रशिक्षण लिया। आचार्य हेमवती ने बताया कि मॉक ड्रिल देने के लिए डॉ रवि दत्त डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग ऑफिसर, दया सिंह सैनी रिटायर्ड लेक्चर विशाल और उनकी टीम ने प्रशिक्षण दिया। डॉ रवि दत्त ने सहज और साधारण तरीके से सेकंड हैंड तकनीक, थर्ड हैंड तकनीक व चौथी हैंड तकनीक और ब्लैंकेट तकनीक से घायल को कैसे अस्पताल तक पहुंचना चाहिए और रक्तस्राव को रोकने स्वास्थ्य गति का मैनेजमेंट करना सिखाया।

भारत पाक युद्ध को लेकर मंथन कार्यक्रम

रोहतक। सेक्टर तीन स्थित सीनियर सिटिजन क्लब में शनिवार को महापुरुष स्मृति परिषद ने भारत पाक युद्ध में आम नागरिकों की भूमिका और नैतिक उत्तरदायित्व पर अपने विचार रखें। इसमें सीनियर सिटिज़न क्लब, विश्व वैदिक सभा, जाट सभा, खाप पंचायतों व सामाजिक संस्थाओं और संगठनों से जुड़े वरिष्ठ नागरिकों ने अपने विचार प्रकट किए। सर्वसम्मति से सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास पारित किए गए। राष्ट्र हेतु अपनी भागिदारी प्रस्तुत करते हुए सभी सेवानिर्वत वरिष्ठ नागरिक सेवा के लिए हाजिर रहेंगे।

मां योगदान जीवन में अतुलनीय : रमेश

महम। श्री राम सैकेंडरी स्कूल महम में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। छात्रों ने माताओं के सम्मान में कविता पाठ, नाटक, गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। कुछ छात्रों ने अपनी माताओं के साथ मिलकर विशेष प्रस्तुतियाँ भी दीं। विद्यालय के निदेशक रमेश गिरधर ने माताओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि "माँ जीवन की पहली गुरु होती है और उनका योगदान अतुलनीय है।

मकान पर गिरी आकाशीय बिजली

सांपला। खंड के गांव भैंसरु मं भैंसरु -गिझी मार्ग पर तालाब के सामने बने एक मकान पर आसमानी बिजली गिर गई। जिससे मकान ध्वस्त हो गया। बताया गया कि तस्वीर ने गिझी मार्ग पर तालाब के सामने एक कमरा बनाया हुआ था। साढ़े तीन बजे तालाब के पास तेज धमाका हुआ। बस्ती के लोगों ने देखा तो मकान गिरा हुआ था। पड़ोस के लोगों ने बताया कि चकम और धमाके ने कान सुन्न हो गए थे। पास को तीन घरों में भी कुछ नुकसान बताया जा रहा है। सरपंच पुनीत कुमार ने सरकार से आर्थिक सहायता करने की मांग की है।

सीएम नायब सिंह सैनी के साथ वीडियो कॉफ्रेंस के जरिए अफसरों की बैठक

सोशल मीडिया पर भ्रामक फोटो या वीडियो डालने से बचें आमजन : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बैठक में उपस्थित जिला प्रशासन के अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

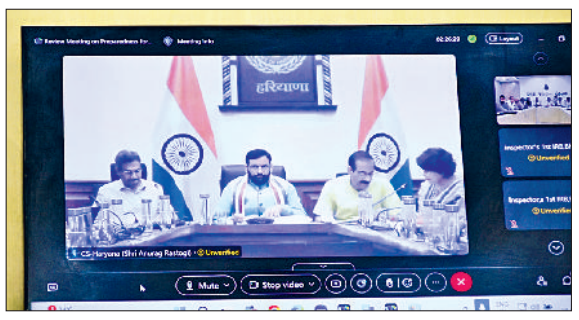

रोहतक। सीएम नायब सिंह सैनी के साथ वीडियो कांफ्रेंस करते अधिकारी।

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा है कि हम सबके लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। इसलिए हम सब की यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि कोई भी ऐसी सूचना का प्रसार न हो, जिससे की राष्ट्र को हानि पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी सूचना, फोटो अथवा वीडियो को किसी भी मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित न किया जाए, जिससे आम जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो और लोगों में भय अथवा डर की भावना बन जाए। डीसी शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कांफ्रेंस के बाद जिला प्रशासन के अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा कठिन परिस्थितियों में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म को सकारात्मक भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी गलत सूचना का प्रसार देश के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इसलिए मीडिया को मौजूदा परिस्थितियों में और अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। डीसी ने नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे किसी के बहकावे अथवा अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रशासन की तैयारी की समीक्षा करते हुए उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने निर्देश दिए कि सिविल डिफेंस के लिए स्वयं सेवकों का रजिस्ट्रेशन किया जाए ताकि उन्हें प्रशिक्षण दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक स्थानों पर स्थापित किए गए सायरनों में पूर्ण पावर बैकअप हो और सायरन को ऑपरेट करने वाला व्यक्ति भी प्रशिक्षित हो। सोलर लाइट पर विशेष फोकस करते हुए उन्होंने कहा कि ब्लैक आउट के दौरान सोलर लाइट को तुरंत प्रभाव से बंद कर दिया जाए। इस बारे में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों को विशेष रूप से दिशा निर्देश जारी किए गए। उपायुक्त ने अधिकारियों व कर्मचारियों से सोशल मीडिया पर कमेंट करने से भी परहेज करने को कहा। नरेंद्र बिजारिया ने कहा कि नागरिकों को उनके मोबाइल पर आने वाली फोन कॉल पर भी विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक पूर्ण विश्वास ना हो जाए तब तक फोन पर बात करने वाले व्यक्ति से अपने आसपास की स्थिति की कोई भी जानकारी ना दे। फोन पर किसी से भी अनावश्यक बातचीत न करें। उन्होंने कहा कि फोन कॉल के माध्यम से भी दुश्मन देश द्वारा किसी भी क्षेत्र विशेष की जानकारी लेने का प्रयास किया जा सकता है। इस स्थिति में प्रत्येक नागरिक को जागरूक व सतर्क रहना होगा। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया के अलावा अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, नगर निगम के आयुक्त आनंद कुमार शर्मा, सांपला के एसडीएम उत्सव आनंद , महम के एसडीएम दलबीर फोगाट, सीईओ जिला परिषद प्रदीप कुमार, आरटीए सचिव मेजर गायत्री अहलावत, नगराधीश अंकित कुमार, सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र, डीडीपीओ राजपाल चहल, जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, लोक निर्माण विभाग के एसई सुखबीर सिंह व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता तरूण गर्ग, एनडीआरएफ, एनसीसी सहित कई अफसर मौजूद रहे।

उपायुक्त ने आमजन को दिए यह दिशा-निर्देश

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि जिला में सामान्य स्थिति है। कोई भी नागरिक आवश्यक वस्तुओं का भंडारण न करें। इसके लिए जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक को निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देशानुसार संतोषजनक संख्या में एंबुलेंस उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसी प्रकार से अग्निशमन वाहनों को हर कस्बे में तैनात करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि विवाह-शादियों में आतिशबाजी पर प्रतिबंध रहेगा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया ने कहा कि सभी विभागों की मशीनरी को सक्रिय रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में कार्य को विभाजित नहीं किया जा सकता। मौके पर जिसको जो कार्य दिया जाए, उसे तुरंत प्रभाव से पूरा करें। उन्होंने कहा कि सरकार के आदेशों की अक्षरशः से पालन करना हम सब की जिम्मेदारी है।

मां होती है बच्चों की पहली शिक्षिका: प्रधानाचार्या

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में मातृ दिवस के उपलक्ष में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी माता के प्रति प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया। कार्यक्रम में कविता पाठ, नृत्य और गायन प्रस्तुतियां शामिल रही, जिसकी सभी ने सराहना की। बच्चों ने एक्ट प्रस्तुति से अपनी जिम्मेदारियों को संभालने व बड़ों का सम्मान करने की सीख दी। चेहरे पर मीठी मुस्कान लिए बच्चों ने मां के प्रेम, त्याग, आत्मविश्वास व अद्भुत आयाम जैसे गुणों पर भावभीनी प्रस्तुतियां भी दी। प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने सभी को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि मां बच्चों की पहली शिक्षिका होती है। मां वह पहली गुरु है, जो हमें प्यार, संस्कार और हर परेशानी में हमारा साथ देती है व हमारी खुशियों में सबसे ज्यादा खुश हमारी मां ही होती है।

जीडी गोयंका स्कूल में मातृ दिवस का आयोजन

रोहतक। जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. वीनू कादियान (गायनोकोलॉजिस्ट और ऑब्स्टेट्रिशियन) ने किया। इस दौरान कई रंगारंग गतिविधियों जैसे रैंप वॉक, नृत्य, संगीत, भाषण और विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान माताओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया गया। जज कृतिका गांधी और लक्की कपूर ने सर्वश्रेष्ठ माता का चयन किया और सर्वश्रेष्ठ माता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गतिविधि प्रभारी सुनैना व शिवानी ने किया। विद्यालय के निदेशक विक्रांत मायना, सान्या मायना, सह निदेशक हिमांशु गुप्ता, प्राचार्या सविता नेहरा और उपप्राचार्य अनिल कुमार ने सभी का धन्यवाद किया और मातृदिवस की सभी माताओं को शुभकामनाएं दी।

मदर्स-डे पर विद्यार्थियों की सांस्कृतिक गतिविधियों ने सभी का मन मोहा

- मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण सृष्टि है: ऋतु विज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महम। आदर्श स्कूल में मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती माताएं।

सांगवान इंटरनेशनल में मातृशक्ति के सम्मान में भव्य आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के मध्य आयोजित अंतर सदनीय कविता पाठ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मातृत्व, प्रेम, बलिदान और नारीशक्ति जैसे भावनात्मक विषयों पर कविताएं प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में बत्रा स्क्वाड्रन ने प्रथम, मोनाकॅशा स्क्वाड्रन ने द्वितीय तथा करियप्पा स्क्वाड्रन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में माताओं ने संगीत, नृत्य, रैंप वॉक, फन गेम्स जैसी विविध गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका उप प्रधानाचार्या ऋतु विज, सुनीता सांगवान, रश्मि, रेखा, सपना परमार व अनुराग ने निभाई। मंच संचालन मोनिका लठवाल, मोनिका ढल, मानसी, सरोज, वीना कालरा व कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने संगीत, नृत्य, रैंप वॉक, फन गेम्स प्रतिस्पर्धाओं में विजेता मातृ शक्तियों को स्मृति चिन्ह उपहार स्वरूप भेंट किए। उन्होंने कहा कि मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण सृष्टि है।

मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास से मनाया मदर्स डे

महम। मॉडल स्कूल महम के विद्यार्थियों ने मदर्स डे हर्षोल्लास के साथ मनाया। शुक्रवार को कक्षा नर्सरी से पहली तक के नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए मातृ दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने अपनी-अपनी माताओं के साथ के नृत्य की प्रस्तुति दीं। सभी माताओं को तिलक व बैज लगाकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने प्लांट की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत से जानकारी हासिल की। विभिन्न उत्पादों की पैकेजिंग, भंडारण इत्यादि के बारे में जानकारी हासिल की। यह शैक्षणिक भ्रमण मॉडल स्कूल की प्राचार्या राजेश नांदल की अगुवाई में हुआ। उनका मानना है कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए ऐसे शैक्षणिक भ्रमण आवश्यक हैं।

मां का प्रेम, त्याग एवं मार्गदर्शन ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है: मंजुलता

- आदर्श विद्यालय मदीना में धूमधाम से मनाया मातृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। आदर्श स्कूल में मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती माताएं।

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में मातृ दिवस के मौके पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक विधि से तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजुलता ने मातृ दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "माता ही बच्चे की प्रथम गुरु होती हैं। उनका प्रेम, त्याग एवं मार्गदर्शन ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से बच्चों में पारिवारिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का विकास होता है। इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिसर में अभिभावकों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें माताओं एवं बच्चों द्वारा प्रस्तुत युगल नृत्य, रैम्प वॉक तथा बच्चों से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी सम्मिलित थीं, जिनमें माताओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। वह घर और खेत के कार्यों में व्यस्त होने के बावजूद इस आयोजन का भरपूर आनंद उठाने में सफल रहीं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

न्यू विद्या भारती पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया मदर्स डे

रोहतक। न्यू विद्या भारती पब्लिक स्कूल, धामड़ में बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में मदर्स डे के अवसर पर समूह नृत्य प्रस्तुत किए। इस अवसर पर बच्चों की माताओं को स्कूल में आमंत्रित किया गया। कक्षा दूसरी से पांचवी तक के छात्रों ने अपनी-अपनी माताओं की आरती उतारी व तिलक लगाया। साथ ही अपनी माताओं से आशीर्वाद लिया। माताओं ने भी अपने बच्चों को लंबी उम्र व उन्नति का आशीर्वाद दिया। माताओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया व सराहनीय प्रदर्शन किया। इसके अलावा बच्चों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे ग्रीटिंग कार्ड मेंकिंग, पोस्टर मेंकिंग व कविता प्रतियोगिता में भाग लिया। स्कूल निदेशक वीरेन्द्र हुड्डा व प्रिंसीपल सोनिया दुहन ने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी व सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जैड ग्लोबल विद्यालय में मातृ दिवस पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जैड ग्लोबल विद्यालय में मातृ दिवस को गर्मजोशी और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक प्राची गर्ग व प्रधानाचार्या सीमा सचदेवा व मुख्य अतिथियों के नेतृत्व में मां सरस्वती की आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता सोम्या ग्रोवर, लायन लेडी अध्यक्ष, लायंस क्लब मनीषा छाबड़ा, पीएचडी फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट विभाग डॉ. अमृता दलाल, ओमैक्स सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन की महासचिव सुशीला देवी व वरिष्ठ शिक्षिका सुनैना खन्ना मौजूद रहे। डॉ. मौनी भाटिया ने आम महिलाओं के स्वास्थ्य मुद्दों पर प्रकाश डाला। म्यूजिकल स्पोर्ट मार्कर जैसे आकर्षक खेलों का आयोजन किया गया। व्यक्तिगत सौंदर्य सत्र ने मूल्यवान स्व-देखभाल सुझाव दिए। रैंप शो ने हमारी माताओं की सुंदरता और आत्मविश्वास को प्रदर्शित किया। मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं के साथ सत्र ने खुली चर्चा के लिए सहायक स्थान प्रदान किया। उत्सव का समापन एक सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें सभी माताओं की भावना और योगदान का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की सफलता सावधानीपूर्वक योजना और समन्वय का प्रमाण थी, जिसमें मिस पल्लवी हांडा ने इसकी निर्बाध निष्पादन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महाविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी

रोहतक। श्री लालनाथ हिन्दू महाविद्यालय में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों के साथ कॉलेज में मिलन सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मैनेजमेंट के पदाधिकारियों ने कॉलेज की उपलब्धियों और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के संदर्भ में सभी शिक्षकों के साथ बातचीत की। महामन्त्री संजय आहुजा ने महाविद्यालय के इतिहास पर प्रकाश डाला। प्रबन्धक भारत भूषण बठला ने पूर्व कार्यकारिणी के कार्यों की सराहना की तथा भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर उप प्रधान अजय निझावन, महामन्त्री संजय आहुजा, कोषाध्यक्ष जतिन लूथरा, प्रबंधक हिन्दू कॉलेज भारत भूषण बठला, प्रबन्धक एसएफएस राजेश मक्कड़ आदि मौजूद रहे।

बाबा ब्रह्मनाथ मंदिर में भंडारा आज

महम। भैणी सुरजन गांव में स्थित प्राचीन बाबा ब्रह्मनाथ मंदिर में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बाबा ब्रह्मनाथ सेवा समिति के संरक्षक राजकुमार मैहरा, प्रधान नरेश मलिक व सचिव सन्नी प्रजापत ने बताया कि साल में दो बार प्राचीन बाबा ब्रह्मनाथ मंदिर में भंडारे का आयोजन किया जाता है। भण्डारे का आयोजन शुक्ल पक्ष की चौदस तिथि को किया जाता है। उन्होंने बताया कि भण्डारे में गांव सहित दूर दराज से आकर व्यक्ति प्रसाद ग्रहण करते हैं। प्रधान कृष्ण बडाली ने बताया कि बाबा ब्रह्मनाथ मंदिर प्राचीन मंदिर है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, रोहतक को कर शाखा के सम्पत्तिकर के रिकार्ड में नई प्रोपर्टी आई.डी. नं. IHE4YJU3 पुरानी प्रोपर्टी आई.डी. नं. 34C573U82 वार्ड नं./पता Azad Garh पुराने एन.डी.सी. रिकार्ड में Om Parkash व सर्वे के अनुसार नए एन.डी.सी. रिकार्ड में Maha Singh नाम से दर्ज है, अब नगर निगम के रिकार्ड में इस आई.डी. नं. में प्रार्थी जिसका नाम Om Parkash S/o Maha Singh and Bimla D/o Maha Singh के द्वारा वसीयत/वारसान के आधार पर अपने नाम तबदील करवाना चाहते है जिसको वारसान रिपोर्ट तहसीलदार, रोहतक द्वारा तसदीक की है। यदि किसी भी जनसाधारण को इनके नाम तबदील करने में कोई भी आपत्ति है तो 30 दिन के अन्दर-अन्दर नगर निगम कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करवाये, अन्यथा प्रोपर्टी टैक्स में उसके नाम तबदील कर दी जावेगी। जिसके लिए नगर निगम, रोहतक उत्तरदायी नहीं होगा।

हस्ता/- क्षेत्रीय कराधान अधिकारी
नगर निगम, रोहतक

एमडीयू और रूहील फ्यूचर टेक्नोलॉजी के बीच स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए हुआ एमओयू

छात्र नवाचार और उद्यमिता को सशक्त बनाने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

छात्र नवाचार और उद्यमिता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने रूहील फ्यूचर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू किया गया। यह एमओयू विद्यार्थियों और युवा उद्यमियों के बीच नवाचार, इनक्यूबेशन और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया है। यह एमओयू एमडीयू के कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत और रूहील फ्यूचर टेक्नोलॉजीज की ओर से बाला देवी द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित किया गया। इस सहयोग के अंतर्गत एमडीयू अपने नवाचार एवं इनक्यूबेशन केंद्र के माध्यम से आवश्यक अधोसंरचना और नीति समर्थन प्रदान करेगा, जबकि रूहील फ्यूचर टेक्नोलॉजीज औद्योगिक मेंटरशिप, प्रशिक्षण और स्टार्टअप्स के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करेगा। सहयोग में बिजनेस मॉडलिंग, वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल ब्रांडिंग, निवेशक संपर्क और उत्पाद प्रोटोटाइप विकास जैसी सेवाएं शामिल होंगी। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस पहल को भारत की स्टार्टअप दृष्टि के अनुरूप एक परिवर्तनकारी कदम बताया और कहा कि एमडीयू छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और नवाचार पर आधारित कौशल देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह एमओयू उत्तर भारत में अकादमिक-औद्योगिक सहयोग को एक नई ऊंचाई देता है और हरियाणा को राष्ट्रीय नवाचार परिदृश्य में एक प्रमुख स्थान प्रदान करता है।

संयुक्त समन्वय समिति और कार्यकारी समिति का गठन

समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक संयुक्त समन्वय समिति और कार्यकारी समिति का गठन किया गया है। आगामी योजनाओं में उद्यमिता बूट कैंप्स, विचार प्रयोगशालाएं, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और आवासीय नवाचार परियोजनाएं शामिल हैं। इस अवसर पर प्रो. एएस मान, प्रो. गुलशन लाल तनेजा, प्रो. राहुल ऋषि, प्रो. अजय राजन (कुलपति सलाहकार), प्रो. संदीप मलिक , प्रो. प्रभाकर कौशिक (नोडल अधिकारी, इनक्यूबेशन सेंटर), प्रो. आशीष दहिया (निदेशक, जन संपर्क), प्रो. सुमित गिल, प्रो. दीपक कौशिक, डॉ. नवीन कुमार आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 11 मई 2025

तापमान

अधिकतम 37 .0 डिग्री
न्यूनतम 24 .0 डिग्री

12 शहर के सौंदर्यीकरण के लिए प्रशासन सभी राजनीतिक दलों और संगठनों को साथ ले : लवलीन टुटेजा

शहर में आज

- माता दरवाजा स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब में कार्यक्रम।
- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर।

खबर संक्षेप

विवाह समारोह में पटाखे व ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध

रोहतक। जिला मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर निषेधाज्ञा के आदेश जारी किए हैं। इनमें कहा गया है कि रात के समय में लाइटिंग, रात्रि विवाह, पटाखों के प्रयोग, ड्रोन उड़ाने और आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और भंडारण पर प्रतिबंध लगा दिया है।

नर्सिंग कॉलेज 12 मई का सांस्कृतिक कार्यक्रम रद

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज द्वारा 9 में से 12 मई तक आश्वासन समझ सम्मान सहायता विषय पर नर्सिंग वीक मनाया जा रहा है। आचार्य शकुंतला ने बताया कि भारत पाकिस्तान बॉर्डर पर तनाव को देखते हुए उन्होंने 12 मई को नर्सिंग दिवस पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम को रद कर दिया है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स आज से बिहार में

रोहतक। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा खेलो इंडिया योग यूथ गेम्स का 11 से 14 मई 2025 को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गया (बिहार) में हो रहा है। जिसमें हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रतिबंधित दवाईयों की खरीद फरोख्त करने वाले के खिलाफ अभियान

स्वास्थ्य विभाग की लाखनमाजरा में रेड, दो एमटीपी किट बरामद, दो आरोपी धर दबोचे

- विभाग की कार्रवाई के चलते अस्पताल और मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कम्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वास्थ्य विभाग ने प्रतिबंधित दवाइयों की खरीद फरोख्त करने वाले लोगों के खिलाफ सख्ती से अभियान छेड़ा हुआ है। इसी कड़ी के तहत टीम ने लाखनमाजरा में एक निजी अस्पताल पर रेड की। जहां छानबीन के दौरान दो एमटीपी किट बरामद हुई। यहां से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके खिलाफ कार्रवाई जारी है। विभाग की कार्रवाई के चलते मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कम्प मचा हुआ है। जल्द ही अन्य मेडिकल स्टोर संचालकों पर भी रेड होगी। जानकारी के अनुसार, सिविल सर्जन कार्यालय को गर्भवती महिलाओं को दी जा रही एमटीपी किट के बारे में जानकारी मिली। इसके आधार पर जांच करने और कानूनी कार्रवाई करने के लिए एक टीम का गठन किया गया था। टीम ने योजना बनाकर लाखनमाजरा के अस्पताल में कार्रवाई की। टीम संजीवनी अस्पताल में पहुंची। जहां टीम ने छानबीन की। इस दौरान अस्पताल मालिक नरेश , अंकित (टीपीए स्टाफ), डॉ प्रदीप कुमार (डॉक्टर), मनीषा (जीएनएम), विक्रांत (वार्डबॉय) और गीता (स्वीपर) अस्पताल में मौजूद थे। टीम ने अलमारी से दो एमटीपी किट बरामद की। पूछताछ करने पर नरेश ने अपने बयान में खुलासा किया कि उन्होंने जुलाना में स्थित संदीप केमिस्ट शॉप के संदीप से एमटीपी किट खरीदी। उन्हें एक अज्ञात रोगी को किट देनी थी। इसके लिए 11 सौ रुपये का भुगतान किया गया था। लेनदेन का विवरण नरेश द्वारा पेश किया गया। इसके बाद पुलिस ने नरेश और कैमिस्ट संदीप को गिरफ्तार कर लिया है।

रोहतक। आरोपित स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ । फोटो : हरिभूमि

तीन दिन पहले जसिया से मिली थी 18 एमटीपी किट

तीन दिन पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव जसिया में मेडिकल स्टोर पर रेड की थी, जहां पर प्रतिबंधित दवाइयों की खेप बरामद हुई। कई टीमें ने गांव खिड़वाली, टिटौली, लाढ़ौत मेडिकल स्टोर पर भी छापेमारी की। जहां से कार्रवाई के दौरान करीब 18 एमटीपी किट मिली थी। साथ ही मेडिकल स्टोर संचालक के पास लाइसेंस भी नहीं मिला और 39 तरह की दवा बिना बिल की भी मिली है।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग की टीम जगह-जगह पर छापेमारी कर रही है। जहां प्रतिबंधित दवाइयां मिलेंगी उन मेडिकल स्टोर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लाखनमाजरा में निजी अस्पताल से एमटीपी किट बरामद होने पर कार्रवाई की गई है। आगे भी विभाग की कार्रवाई जारी रहेगी। -डॉ. रमेश चंद्र, सिविल सर्जन, रोहतक

टीम में ये रहे शामिल

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पीसीपीएनडीटी नोडल ऑफिसर रोहतक डॉ विश्वजीत राठी, मंदीप मान डीसीओ रोहतक और एमपीएचडब्ल्यू रंजीत सिंह सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

पीजीआई में ढाई घंटे चली सर्जरी

डॉक्टरों ने मासूम की आंख से निकाला 3.5 सेमी लकड़ी का टुकड़ा

रोहतक। बच्चे के साथ डॉक्टरों की टीम एवं निकली लकड़ी।

- जटिल ऑपरेशन के लिए डेंटल कॉलेज के चिकित्सक बधाई के पात्र : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट आफ डेंटल सांईसिंज के चिकित्सकों ने दस साल के बच्चें की आंख से लगभग 3.5 सेमी की लकड़ी की छड़ी निकालकर फिर से अपने आप में चुनौती भरा आप्रेशन कर मरीज के जीवन में दोबारा से रोशनी भरने का काम किया है। चिकित्सकों द्वारा की गई इस कठिन सर्जरी के बाद मरीज की हालत में सुधार हो रहा है और 1 माह के अंदर मरीज के पूर्णतया ठीक होने की उम्मीद है। इस ऑपरेशन के लिए कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने डॉक्टरों की टीम को बधाई दी है। पीजीआईडीएस के ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि गत दिनों के करीब 10 वर्षीय बच्चा अपने पिता के साथ बाइक पर जा रहा था। रास्ते में एक दुर्घटना होने के चलते वह रेत पर गिर गया। इससे उसकी आंख के पास से खून आना शुरू हो गया तो उसने बाहर किसी अस्पताल में दिखाया जहां पट्टी करके उसको भेज दिया गया। कुछ दिन बाद भी खून नहीं रूकने से एक की जगह दो दिखाई देने व आंख खुलने पर उसने दूसरे डॉक्टर को दिखाया तो वहां से भी उसे आराम नहीं मिला। इस पर बच्चे को उसके परिजन पीजीआई के क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान में डॉ. उर्मिल चावला के पास लाए तो उन्होंने बच्चे को पीजीआईडीएस के ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में डॉ. विरेंद्र सिंह के पास भेजा।

एक्सरे में दिखी लकड़ी

डॉक्टरों ने मरीज की जांच की तो उन्हें आंख की हड्डी के पास कुछ महसूस हुआ तो मरीज के एक्सरे व सीटी स्कैन करवाए गए। एक्सरे हुआ तो एक चैंकाने वाला तथ्य सामने आया जिमसें मरीज की आंख के पास लकडी की छडी फंसी हुई थी।

सड़कों पर खड़ा पानी...

सांपला में मौसम ने ली करवट, बरसे बदरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

शनिवार की दोपहर बाद इलाके में तेज बारिश हुई। जिससे किसानों चेहरों पर खुशी दिखाई दी। इसके साथ ही लोगों को गर्मी से राहत मिली। सुबह से ही मौसम ने करवट ली हुई थी। इसके बाद बारिश ने नगरपालिका की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। कस्बे में कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। जिससे लोगों को पानी से गुजरने में परेशानी उठानी पड़ी। हालांकि कई दिन से उड़ रही धूल से लोगों को काफी छुटकारा मिला।

LPS BOSSARD
Proven Productivity
की प्रस्तुति
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इंटर स्कूल
पोस्टर प्रतियोगिता
दिनांक: 14 मई 2025, बुधवार, समय: प्रात: 9.00 बजे
स्थान:- शहीद मदन लाल ढींगरा कम्युनिटी सेंटर
पुरानी आई.टी.आई., रोहतक
Save Water Save Life
जल बचाएं जीवन बचाएं
मुख्य अतिथि
श्रीमती नमिता कुमारी (HCS)
संयुक्त आयुक्त
नगर निगम रोहतक
अध्यक्षता
श्री राजेश जैन
मैनेजिंग डायरेक्टर
एलपीएस बोसार्ड प्रा.लि.
● यह प्रतियोगिता केवल 6 से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए है।
● विद्यार्थी अपने कलर्स, पेंसिल, पेन और कार्डबोर्ड साथ लेकर आयें।
● सभी प्रतिभागियों को उनके रजिस्ट्रेशन नंबर प्रतियोगिता स्थल पर प्रात: 8.30 बजे वितरित किए जाएंगे।
● सभी प्रतिभागी समय पर पहुंच कर रजिस्ट्रेशन नंबर प्राप्त करें।
CO-SPONSOR
GD GOENKA INTERNATIONAL SCHOOL Sonepat Rd, Rohtak
PATHANIA MAIN CAMPUS SCHOOL WORLD CAMPUS
I. B. SMART START Sec-3 Part, Near P.F. Office, Rohtak-124001 (HARYANA)
THE AARYAN GLOBAL SCHOOL
BP Jain Skill Development Centre
UPS LAKSHMI
FOR FURTHER QUERY/DETAILS CONTACT
9996959400, 9996954600, 9996985800, 9996957600, 8818083100

DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL
AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
Repeating Excellence : Our Students Shine in IIT/JEE MAIN Advanced 2025
तनु 96% PERCENTILE
वीर हुड्डा, 94% PERCENTILE
अंकुर 96% PERCENTILE
अशिया 97.5% PERCENTILE
यशिका GEN. EWS 93% PERCENTILE
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY GUWAHATI
N·S·D·C masai
IIT GUHATI ALUMINI LEARNING PROGRAME CLEAR IN ARTIFICIAL INTELLIGENCE
ID No : IITG_AIML_2503762
Name : Sachin Verma
Course : Credit-Linked program in Artificial Intelligence & Machine Learning
Valid Upto : March 2026
Gaurav Tewari, Principal Investigator, Daksh Gurukul- IIT Guwahati
Ved Mani Tiwari, CEO, NSDC
Pratek Shukla, CEO, Masai
IIT/JEE ADVANCED 2024 में दुहन पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल के तीन बच्चों ने मारी बाजी
IIT/JEE MAINS QUALIFIED 2024 आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीटूडेंट के 16 छात्रों में से 15 ने क्वालिफाइड किया।
2024 NEET QUALIFIED STUDENTS
ANSH DUHAN S/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024(MBBS)
SUHANI DUHAN D/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024(MBBS)
SANJEET BHARDWAJ NEET - 2024, Rank-5028 Marks : 685/720
ANKITA NEET - 2024(MBBS) Marks : 501/720(SC-A)
YUVRAJ VERMA With Dr. Ashok Duhan Sir Score : 660/770 Rank : 21714
IIT-JEE ADVANCED 2024
Mr. ANSH DUHAN S/o Dr. Ashok Duhan AIR Rank : 11002
RISHABH With Dr. Ashok Duhan Sir CRL : 17548, OBC_NCL:4315
YASH LAMBA With Dr. Ashok Duhan Sir CRL : 11852
JAI KAUSHIK NDA - 2024 SSB QUALIFIED
BACHPAN PLAY SCHOOL
In Collaboration with
Aakashdeep Duhan Science Institute
1200+ Schools Nationwide
360 Degree App
Speak-O-Books & Pen
Virtual Reality Education
Robotics Lab
E-Classrooms
ADMISSION OPEN-2025-26
Admission Start from 1st to 5th Class also in Duhan Vatika Basant Vihar, Rohtak
Kyunki bachpan sirf ek baar aata hai
www.bachpanglobal.com
DR ASHOK DUHAN (Chairman)
M. 9416148363

खबर संक्षेप

शिविर में 94 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। अंबेडकर चौक स्थित देश भक्ति स्मारक स्थल पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक संत बाबा सुखा शाह ने बताया कि शिविर में 94 लोगों ने रक्तदान किया। संत बाबा सुखा शाह ने रक्तदाताओं को बैच तथा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पंकज कपूर, राजेश, डॉ. लतेश, डॉ. तिलक भुटियानी, देवराज हुड्डा, राजेंदर मनचंदा आदि मौजूद रहे।

इंडस कंपनी के टावरों से उपकरण चोरी, केस दर्ज

रोहतक। आईएमटी एरिया से इंडस कंपनी के टावरों से उपकरण चोरी हो गए। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकायत में मनीष ने बताया कि वह दहकोरा जिला झज्जर का रहना वाला है। मैं आरएस सिक्योरिटी कंपनी में बतौर सुपरवाइजर के पद पर कार्य करता है।

रात में सायरन बजते ही तुरंत लाइट बंद करें :डीसी

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने हवाई हमले के सायरन बजने पर नागरिकों से सरकार द्वारा जारी की गई एडवाइजरी की पालना सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि एडवाइजरी में बताया गया है कि उपरोक्त स्थिति में नागरिक को क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब अलर्ट चालू हो तो सायरन 5 मिनट तक बजेगी और अलर्ट बंद होने पर सायरन 2 मिनट तक बजेगा। उन्होंने कहा कि अगर अलर्ट दिन के समय का है तो नागरिक अपने घरों के अंदर रहे। बॉलकनियों से दूर रहे और छतों पर जाने से बचें। यदि आप किसी वाहन के अंदर है तो वाहन को पार्क करें और पास की इमारतों अंडरपास या भूमिगत पार्किंग में शरण ले।

एमडीयू के खिलाड़ी, विश्वविद्यालय का गौरव : कुलपति प्रो. राजबीर

■ मदवि खेल परिसर में समारोह का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के खेल परिसर में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने नार्थ जोन, नार्थ ईस्ट जोन तथा आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंटस में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस मौके पर खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने के प्रयासों की सराहना की गई और उन्हें प्रोत्साहित किया गया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि एमडीयू के खिलाड़ी विश्वविद्यालय का गौरव हैं, विश्वविद्यालय की शान हैं। उन्होंने कहा कि एमडीयू के खिलाड़ियों ने न केवल खेल में उत्कृष्टता दिखाई है, बल्कि पूरे देश के समक्ष विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा भी बढ़ाई है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेलों के साथ-साथ शिक्षा में भी उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

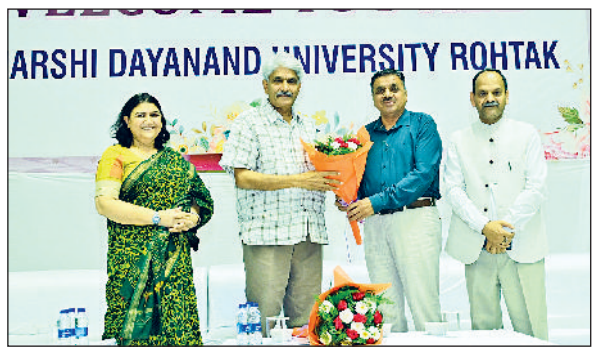

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह का स्वागत करते एमडीयू खेल परिषद के अध्यक्ष डा. नरेन्द्र सिंह,खेल निदेशक डा. शकुंतला बेनीवाल व कुलसचिव डा. कृष्णकांत ।

रोहतक। नार्थ जोन, नार्थ ईस्ट जोन तथा आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंटस में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करते मुख्यअतिथि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व कुलसचिव डा. कृष्णकांत

खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला

डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह में शामिल हुए। एमडीयू खेल परिषद के अध्यक्ष डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि खेल एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करने का अवसर देते हैं। खेल निदेशक डा. शकुंतला बेनीवाल ने एमडीयू की गौरवशाली खेल विकास यात्रा एवं खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समारोह के दौरान खिलाड़ियों को ट्रैक सूट और किट बैग देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर डॉ. शंकुतला बैनीवाल, विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी, कोच, शिक्षक और खिलाड़ी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया

गेस्ट ऑफ ऑनर कुलसचिव डा. कृष्णकांत ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शारीरिक गतिविधियों से ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और विद्यार्थियों की एकाग्रता बढ़ती है। उन्होंने खिलाड़ियों से स्वास्थ्य जागरूकता के सजग प्रहरी बनकर समाज को खेलों से जोड़ने में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

पिछले 10 दिनों में करीब 55 लाख रुपये की ठगी

साइबर अपराध : एक ही दिन में तीन केस दर्ज, लाखों रुपये की धोखाधड़ी

■ ठगों ने ऑनलाइन शॉपिंग, बैंक ट्रांजेक्शन से लेकर सोशल मीडिया तक जमाया अड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा में साइबर ठगों का आतंक बढ़ता जा रहा है। ठग नए-नए तरीकों से लोगों की मेहनत की कमाई को लूट रहे हैं। आम लोगों का बैंकों में पैसा सुरक्षित नहीं है। शनिवार को लाखों रुपये की ठगी के तीन केस दर्ज हुए है। बता दें कि जिले में 1 से लेकर 10 मई तक करीब 55 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले सामने आए हैं। वहीं, आज के दौर में लोग ऑनलाइन शॉपिंग को बढ़ावा दे रहे हैं। ठगों ने भी ऑनलाइन शॉपिंग, बैंक ट्रांजेक्शन से लेकर सोशल मीडिया तक पर अड्डा जमा लिया है। उपभोक्ता ऑनलाइन बिल पेमेंट करने पर, किसी ई-कॉमर्स साइट से गैजेट खरीदने पर, एटीएम से कैश निकालने पर ठगी का शिकार हो रहे हैं। पुलिस भी साइबर ठगी के मामलों में रोक नहीं लगा पा रही है। वहीं, शनिवार को एसपी ने साइबर ठगी को रोकने के लिए एडवाइजरी जारी की है।

75 हजार रुपये की ठगी

आर्य नगर थाना पुलिस को दी शिकायत में साहिल बतरा बताया कि वह डीएलएफ कॉलोनी का रहने वाला है। मेरे पास 2023 में एक नगंर अंजली राज नाम से व्हाट्सएप से फोन आया कि वह निजी कम्पनी से बात कर रही है, आप कंपनी में इनवेस्ट कर लो आपको बहुत फायदा होगा। मैंने उसकी बातों पर विशवास कर लिया और मैने अलग-2 ट्रांजेक्शन से करबीन 50 हजार रुपये डलवावा लिए। इसके बाद मै लगातार पैसे वापिस मागता रहा, लेकिन कोई पैसा वापिस नहीं किया उसके बाद 2024 में उसने एक मोबाईल फोन आईफान 15 की एड मेरे पास भेजी, ये बहुत महंगा मोबाइल फोन है, तुम 10 हजार रुपये और डाल दो तुम्हे कंपनी की तरफ से ये फोन मिल जाएगा और मेने उसके भेजे गए यूपीआई 10 हजार रुपये डाल दिए। इसके बाद करबीन 15 हजार रुपये डलवाए मेरे से अभी तक करबीन 75 हजार रुपये डलवा लिए गए है। अब तक मुझे कोई कंपनी से कोई पैसा नहीं मिला।पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्रेडिट कार्ड से कटे 99,302 रुपये

शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में प्रतीक ने बताया कि वह बालकनाथ कॉलोनी जींद रोड का रहने वाला है। मैंने जनवरी 2025 में एसबीआई का क्रेडिट कार्ड बनवाया था। मैंने एक बार भी उसको ना तो यूज किया और मैने कार्ड को खुद से चालू तक नहीं किया, लेकिन फिर भी मेरे पास 21 मार्च को मैसेज आया कि मेरे खाते से 99 हजार 302 रुपये क्रेडिट कार्ड के ऑटोडेबिट हो गए है। इसके बाद मैंने एसबीआई क्रेडिट कार्ड ऑफिस में जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद मैंने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

लोगों को किया जा रहा जागरूक

साइबर ठगी को रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साइबर ठगी पर रोक लगाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। लोगों को साइबर ठगी से बचना चाहिए।

नरेंद्र बिजारणिया , एसपी, रोहतक

ओटीपी लेकर 22 हजार की लगाई चपत

सिविल लाइन थाना प्रभारी को दी शिकायत में सोनाली ने बताया कि वह सुभाष नगर की रहने वाली है। मैं गुरुग्राम में निजी कंपनी में नौकरी करती हूं। 14 अप्रैल को मेरे साथ ठगी हुई है। मेरे पास एक फोन आया कि मैं एचडीएफसी बैंक से बात कर रहा हूं। मैंने उनकी बातों में आकर अपने क्रेडिट कार्ड का ओटीपी उनके साथ शेयर कर दिया। जिसके बाद मुझे पता चला कि मेरे साथ ठगी हो गई। इस दौरान मेरे क्रेडिट कार्ड से 22 हजार 107 कट गए है। इसकी शिकायत मैंने ऑलाइन दर्ज करवा दी है। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीजीआई नर्सिंग कॉलेज में 12 मई का सांस्कृतिक कार्यक्रम रद

पुरस्कार वितरण समारोह का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज द्वारा 9 से 12 मई तक आश्वासन समझ सम्मान सहायता विषय पर नर्सिंग वीक मनाया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लेकिन 12 मई को होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम को भारत पाकिस्तान बॉर्डर पर तनाव को देखते हुए रद्द कर दिया गया है। इस दिन सिर्फ पुरस्कार वितरण समारोह व फ्लोरेंस नाइटिंगेल शपथ समारोह आयोजित किया जाएगा।

आचार्य शकुंतला ने बताया कि प्राचार्य सुनीता कुमारी के मार्गदर्शन में 9 मई को नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं के बीच व्याख्यान, वाद विवाद प्रतियोगिता, मॉडल प्रस्तुतीकरण, लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके विजेताओं को प्राचार्या सुनीता कुमारी ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। आचार्य शकुंतला ने बताया कि शनिवार को कॉलेज की फैकल्टी में छात्राओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

मां की बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका

रोहतक। श्री बाबा बालक पुरी हैप्पी वैली प्ले स्कूल में मातृ दिवस मनाया गया। विद्यालय को आकर्षक रूप से सजाया गया। माताओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्राचार्य दीपा चुघ ने किया। सभी विद्यार्थियों ने अपनी माता के प्रति प्रेम और सम्मान को व्यक्त करने के लिए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। माताओं के लिए नृत्य व रैंप वॉक का आयोजन किया गया। माताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रीति बंसल ने कहा कि मां न केवल परिवार की आधारशिला होती है बल्कि बच्चों के नैतिक और शैक्षिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उपकार के लिए किए सभी कार्य यज्ञ के समान

रोहतक। यज्ञ शब्द का अर्थ बहुत विस्तृत है। दूसरों के उपकार के लिए किए जाने वाले सभी कार्य यज्ञ होते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा की व्यवस्था करना, भूखे-प्यासे व्यक्ति को भोजन-पानी देना, निराशा, हताशा, कुंठा से घिरे व्यक्ति को अपने प्रेरणा भरे शब्दों से उत्साहित करना, किसी को शराब, गुटका, बीड़ी, सिगरेट के व्यसनों से मुक्ति दिलाना आदि अनेकों प्रकार के भलाई के कार्य करना ये सभी भी यज्ञ हैं। ये विचार आर्य समाज रूप नगर रोहतक के 44वें स्थापना उत्सव के दूसरे दिन अजमेर से आए वैदिक विद्वान प्रोफेसर नरेश धीमान ने व्यक्त किए। कार्यक्रम का आरंभ यज्ञ के साथ हुआ। यज्ञ में लगभग बीस दम्पत्तियों और सौ व्यक्तियों ने आहुतियां दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में धूमधाम से मनाया अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

रोहतक। केवीएम नर्सिंग कॉलेज में नर्सिंग के सम्मान में 9 तथा 10 मई को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ संस्था के डायरेक्टर कर्मवीर मायना, धर्मावती, जीवनी देवी, ज्योति शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन नृत्य, क्विज, पर्सनालिटी आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं शनिवार को नर्सेज डे की थीम आवर नर्सेज, आवर फ्यूचर को उजागर करते हुए पेंटिंग, स्केच, रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। विजेता छात्रों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान केवीएम नर्सिंग कॉलेज के सभी अध्यापक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पठानिया स्कूल में 40वीं इन्वेस्टीचर सेरेमनी आयोजित

■ 473 विद्यार्थियों को बैज लगाकर सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नेतृत्व करते हुए सेवक बनो, निःस्वार्थ बनो, असीम धैर्य रखो और सफलता तुम्हारी होगी। स्वामी विवेकानंद के इसी आदर्श वाक्य के साथ पठानिया पब्लिक स्कूल की 40वीं इन्वेस्टीचर सेरेमनी का सुश्रुत ऑडिटोरियम पीजीआईएमएस में आयोजन किया गया। इस दैरान विभिन्न पदों के लिए चयनित कक्षा नर्सरी से बारहवीं के 473 विद्यार्थियों को बैज लगाकर सम्मानित किया गया। जिनमें कक्षा बारहवीं से इशिता गिल, कक्षा पांचवीं से अंजना गहलावत हैड गर्ल व कक्षा बारहवीं के कपिश खनगवाल, कक्षा पांचवीं से ध्रुव हैड ब्वाय नियुक्त हुए। वहीं स्कूल कप्तान रितेश, डेलिशा व रिया वर्मा, आतिफा हुसैन, चित्राक्षी कालरा स्कूल उप-कप्तान, खेल कप्तान दक्ष रांगी व खेल उप-कप्तान आयुष्मान नायक ने कर्त्तव्यनिष्ठा की शपथ ली। स्कूल प्रीफेक्ट आदित्य ढाका, दाम्या धींगडा, श्रेया अग्रवाल, हिमांशी व आरिव हुड्डा, विराज देशवाल, मिराज जुनेजा, कबीर अनेजा, भाविक, दिव्यम, समायरा, अंशिका, निकुंज, अग्रता सिंह, लावण्या सैनी, पलक ने पद भार संभाला।

विभिन्न गतिविधियों का किया आयोजन

इस अवसर पर नृत्य, गायन, वादन, जिमनास्टिक ने लोगों को रोमांचित कर दिया। मंच संचालन रेशमा मल्होत्रा के दिशा-निर्देशन में गुनिका, तान्या, हिमांशी और मन्नत ने किया। विद्यालय प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि विद्यालय 513 राज्य स्तरीय, 599 राष्ट्रीय स्तरीय व 106 अंतरराष्ट्रीय पदकों के साथ 1218 पदक प्राप्त कर देश के सर्वोत्तम शिक्षण संस्थानों में अग्रणी है। स्कूल के विभिन्न क्लब जैसे स्वर विंग, नृत्य स्क्वाड, सांइस फोरम, मीडिया क्लब, हैरिटेज, एस्थेटिक क्लब, आईटी क्लब, रोबोटिक्स क्लब, कल्चरल क्लब, लिटरेरी क्लब, स्पोर्टस क्लब, फ्रेंच क्लब, गर्ल अप क्लब, इंटरेक्ट क्लब आदि के सदस्यों के नामों की भी घोषणा की गई। विद्यालय निदेशक अंशुल पठानिया ने कहा कि नेतृत्व करने का अर्थ है दूसरों के साथ मिलकर एक सांझा लक्ष्य की ओर बढ़ना।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्य अतिथि आरटीए सक्रेटरी मेजर गायत्री अहलावत, गेस्ट ऑफ आनर प्रोफेसर दिव्या मल्हान डायरेक्टर करियर काउसंलिंग और प्लेसमेंट सैल एमडीयू, मीनाक्षी गुप्ता, रजत बक्शी, सुमाष गुप्ता, रश्मि नारंग, संजीव वाधवा, हनिश महेन्द्रु, साहिल अरोड़ा, डॉ रोहित नारा, डॉ प्रीति नारा, स्कूल को-फाउण्डर वर्षा पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर व हेड मिस्ट्रेस सुमन राठी, प्रशासक आरएस कटारिया, प्रियांक कटारिया आदि उपस्थित रहे।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

प्रदर्शन | दिल्ली रोड पर डिवाइडर काटकर पाम जैसे पौधे लगाए जाने के विरोध में उतरे लोग

शहर के डिवाइडरों पर खूबसूरत पौधे लगाए प्रशासन: अजय धनखड़

शहर के सौंदर्यीकरण के लिए प्रशासन सभी राजनीतिक दलों और संगठनों को साथ ले : लवलीन टुटेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली रोड पर पिछले दिनों शहर की खूबसूरती के नाम पर खूबसूरती को खत्म किए जाने पर व्यापारी संगठनों एवं कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज की है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता लवलीन टुटेजा, मॉडल टाउन संगठन के प्रधान अजय धनखड़ एवं व्यापारी नेता देवेंद्र भारत ने विरोध जताते हुए कहा कि रोहतक पहला शहर होगा जहां ग्रिल काटकर सड़क के बीच में एरिका पाम जैसे पौधे लगाए जा रहे हैं, जिनका कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन अगर कोई प्रयास कर ही रहा है तो सड़क के बीच में ऐसे पौधे लगाए जाने चाहिए थे जिनमें फूल आते, जो मौसम के हिसाब से खूबसूरत दिखते।

सरकारी पैसे का दुरुपयोग

लवलीन टुटेजा ने बताया कि हाल ही में नगर निगम द्वारा दिल्ली रोड पर लगभग 13 से 14 साल पहले से लगाई गई ग्रिल को काटा गया है। यह ग्रिल सुरक्षा भी दे रही थी और इससे सड़क का सौंदर्य भी था। निगम ने इन ग्रिल को फटाक से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक तक बीच बीच में काटा है। इन कटों में पौधे लगाने की शुरुआत की गई है, बड़ी संख्या में एरिका पाम ओर कुछ पौधे यहां कुछ जगह पर लगाए गए हैं, बड़ा इलाका अभी खाली है। हैरतअंगेज बात यह है कि खर्चा नगर निगम द्वारा किया गया है और उन पर नाम भाजपा नेताओं के लिखे गए हैं। अगर भाजपा नेताओं ने इन पौधों को गोद लिया है तो उन नेताओं द्वारा उन्हें संरक्षित भी किया जाना चाहिए। लवलीन टुटेजा ने कहा कि यह सरकारी पैसे का दुरुपयोग है। लवलीन टुटेजा ने कहा कि प्रशासन को चाहिए कि सौंदर्करण जैसे मामलों में सभी राजनीतिक दलों और संगठनों को साथ लेकर चले। मॉडल टाउन संगठन के प्रधान अजय धनखड़ ने कहा कि यह प्रयास शहर को खूबसूरत बनाने की बजाय शहर की खूबसूरती को खत्म करने जैसा है। प्रशासन को अगर पौधारोपण करना ही था तो ग्रिल काटे बिना भी किया जा सकता था। अजय धनखड़ ने कहा कि प्रशासन यहां पर नीम ,गुलमोहर, गुगन बेलिया, इंग्लिश कनेर, देशी अशोक,गुलमोहर, अमलताश, जकरेंडा, पिलखन, कचनार एवं केसिया आदि के पौधे लगाए, इससे सड़क का सौंदर्यीकरण होगा। एरिका पाम जैसे पौधे लगाए जाने से ना पर्यावरण को कोई फायदा होगा,ओर न सौंदर्यीकरण होगा ।

कार्यप्रणाली पर किया सवाल खड़ा

व्यापारी नेता देवेंद्र भारत ने निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि हैरतअंगेज बात यह है कि नगर निगम एवं पीडब्ल्यूडी इतना बड़ा कार्यक्रम आयोजित करता है और मेयर को इसकी पूरी जानकारी भी नहीं होती। रोहतक के मेयर द्वारा हाल ही में जो बयान दिया गया है वह निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। देवेंद्र भारत ने कहा कि केवल खानापूर्ति के लिए पौधे लगाकर उन पर कुछ लोगों के नाम लिखे गए जिसका कोई औचित्य नहीं था। देवेन्द्र भारत ने कहा कि जिला प्रशासन इसका संज्ञान ले और अच्छे पौधे यहां लगाए। देवेंद्र भारत ने कहा कि डिवाइडर पर ऐसे पौधे लगाए जाने चाहिए जो शहर के सौंदर्य करण का हिस्सा बने। देवेंद्र ने कहा कि शहर के हित में यह कांग्रेस का सुझाव है, इसे राजनीति से जोड़ा नहीं जाना चाहिए।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा

डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते।* (सूफीनामा) कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

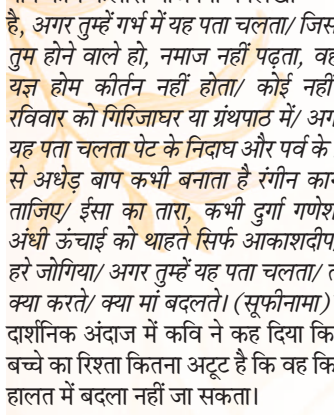

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव

डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

'मांजी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर मैं उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल

नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजनः माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभवः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसासः यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलकः राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षणः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजाः राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानीः माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

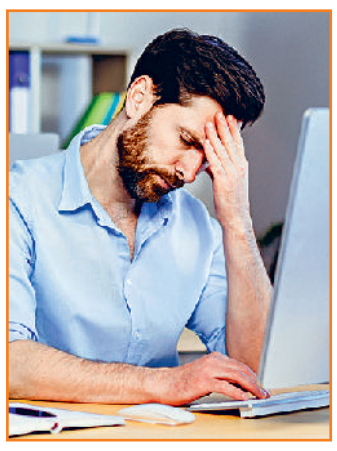

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैंः ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैंः वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैंः कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्तः लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसलेः लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाजः किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैंः जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेखः ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसितः हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गमः सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रमः भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारीः डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडियाः जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अचला सचदेव

दीना पाठक

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा रायः निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतनः अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागूः नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया। रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

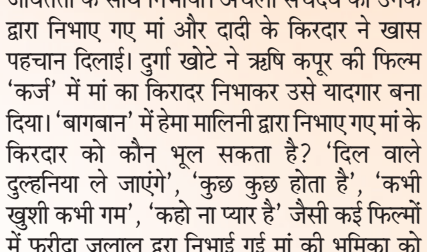

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

हजार चौरासी की मां जया बच्चनः जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

रीमा लागू

जया बच्चन

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *